

1925-2000



1999-2000 ANNUAL REPORT

सिंडिकेट बँक



Syndicate Bank

विश्वसनीय . संचालन

RELIABLE . RESPONSIVE



प्रधान कार्यालय: मणिपाल - 576 119
Head Office: Manipal - 576 119

विषय - सूची CONTENTS

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 1999 - 2000

	Page		Page
• अध्यक्ष का कथन Chairman's Statement	3	• महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	
• सूचना Notice	5	Significant Accounting Policies	31
• निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report	8	• लेखा संबंधी टिप्पणियाँ	
• लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report	20	Notes on Accounts	34
• तुलन-पत्र Balance Sheet	22	• नकदी उपलब्धता विवरण Cash Flow Statement	39
• लाभ-हानि लेखा P & L Account	23	• ईसीएस संबंधी परिपत्र Circular regarding ECS	41
• लेखों की अनुसूचियाँ Schedules to Accounts	24	• प्राक्सी फार्म Proxy Form	45
		• उपस्थिति पर्ची Attendance Slip	47

निदेशक मंडल

BOARD OF DIRECTORS

के. वी. कृष्णमूर्ति

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

K. V. Krishnamurthy

Chairman & Managing Director

ज. यो. दीवानजी

कार्यपालक निदेशक

J. Y. Divanji

Executive Director

एन. आर. रायलु

पी. के. बिश्वास

पी. सी. नायक

प्रो. बी. एस. सोंदे

ए. के. खन्ना

श्रीमती रंजना एस. सलगावकर

के. एस. शेटी

एन. जी. चंद्रशेखर

निदेशक

N. R. Rayalu

P. K. Biswas

P. C. Nayak

Prof. B. S. Sonde

A. K. Khanna

Mrs. Ranjana S. Salgaocar

K. S. Shetty

N. G. Chandrashekar

Directors

लेखा-परीक्षक

मेसर्स शंकर एण्ड मूर्ति

मेसर्स एस. के. सिंघानिया एण्ड कं.

मेसर्स मेहरा गोयल एण्ड कंपनी

मेसर्स मेहरोत्रा एण्ड मेहरोत्रा

मेसर्स प्रेम गुप्ता एण्ड कंपनी

मेसर्स हिंगोरानी एम. एण्ड कंपनी

Auditors

M/s. Sankar & Moorthy

M/s. S. K. Singhanian & Co.

M/s. Mehra Goel & Co.

M/s. Mehrotra & Mehrotra

M/s. Prem Gupta & Co.

M/s. Hingorani M. & Co.

रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट

कार्वा कन्सेलटेन्ट्स लिमिटेड

46, एवेन्यू 4, स्ट्रीट नं. 1

बंजारा हिल्स, हैदराबाद - 500 034

दूरभाष : 040-331 2454/332 0751

फैक्स : 040-331 1968

Registrar & Share Transfer Agents

Karvy Consultants Limited

46, Avenue 4, Street No. 1

Banjara Hills, Hyderabad - 500 034

Tel. : 040-331 2454/332 0751

Fax: 040-331 1968

अध्यक्ष का कथन

गौरवशाली अतीत, गतिशील वर्तमान और आशाभर भविष्य

सुधार की प्रक्रिया ने संभवतः भारतीय उद्योग के किसी क्षेत्र को उतना प्रभावित नहीं किया है जितना बैंकिंग क्षेत्र को। परिवर्तन - गति, विचारधारा और दिशा की गतिशील शक्तियों ने भारतीय बैंकिंग के स्वरूप को हमेशा के लिए बदल दिया है। हमारे बैंक ने 7 वर्षों की कठिन परीक्षा में शाब्दिक सफलता प्राप्त की है और उसका श्रेय परिवर्तन संबंधी बहुचर्चित इस उक्ति के प्रति उसकी अटूट आस्था को जाता है:

“परिवर्तन जीवन का नियम है और जो लोग केवल अतीत या वर्तमान को देखते हैं वे भविष्य को निश्चित रूप से गँवा देते हैं।”

हमारे बैंक ने अतीत को अक्सर वर्तमान की सीढ़ी के रूप में देखा है और वर्तमान को भविष्य के प्रक्षेपण - मंच के रूप में। मुझे यह कहना चाहिए कि गौरवशाली अतीत ने सचमुच ही सिंडिकेट बैंक के लिए गतिशील वर्तमान की आधार - शिला रखी और इसमें कोई संदेह नहीं कि वर्तमान उपलब्धियाँ नई सहस्राब्दी में आशाभर भविष्य की परतों को खोलने के लिए स्प्रिंग - बोर्ड का कार्य करेंगी।

वर्ष 1999-2000 सचमुच ही विभिन्न मोर्चों पर बैंक को शानदार सफलता दिलाने वाला वर्ष साबित हुआ। इसके 75 वर्षों के पुराने इतिहास में संभवतः सर्वाधिक प्रतिफलदायी अवधि - प्लेटिनम जयंती वर्ष बैंक के लिए एक अविस्मरणीय और महत्वपूर्ण घटना थी: इसकी ₹.125 करोड़ की प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश को मिली शानदार सफलता। पूँजी बाजार के इतिहास में किसी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक का प्रथम सममूल्य पर निर्गम होने के कारण इसने 4,00,000 से अधिक निवेशकों को आकर्षित किया, जो बैंक में उनकी आस्था और निर्गम के खुदरा स्वरूप की प्रधानता को प्रमाणित करता है। यह निर्गम पूर्वतम अंतिम तारीख को बन्द हुआ था और लगभग चार गुना अतिप्रतिश्रुत हुआ था।

वर्ष 1999-2000 के दौरान बैंक के पूँजी पर्याप्तता अनुपात में 9.57% से 11.45% की उत्साहजनक वृद्धि हुई जो मार्च 2000 के लिए भा.रि.बैंक द्वारा निर्धारित 9% के मुकाबले अधिक है और यह बैंक की अंदरूनी शक्ति और सामर्थ्य की पुष्टि करता है।

बैंक का कारोबार 21.8% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए ₹.36,000 करोड़ की सीमा पार कर गया जो हाल के वर्षों में सर्वाधिक है और उद्योग में तुलनात्मक वृद्धि से अनुकूल है। वर्ष 1999-2000 के दौरान विश्वव्यापी जमा राशियों में 18.8% की दर से (₹.19914 करोड़ से ₹.23655 करोड़) और विश्वव्यापी अग्रिम राशियों में 27.9% की दर से (₹.10020 करोड़ से ₹.12812 करोड़) वृद्धि हुई जो तेजी से विकास के प्रति बैंक के प्रयासों की गवाही देती है।

अनर्जक आस्तियों के मोर्चे पर बैंक का कार्य - निष्पादन उत्साहवर्धक था। प्रतिशतता की दृष्टि से वर्ष 1999-2000 के दौरान बैंक की शुद्ध अनर्जक आस्तियाँ 3.93% से घटकर 3.17% पर आ गईं जो कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकिंग उद्योग में सब से कम है। भारतीय रिजर्व बैंक की पहल पर अक्टूबर, 1999 में गठित निपटान सलाहकार समितियों ने मात्र 5 भोस की अवधि में ₹.26.85 करोड़ की रकम वाले लगभग 2542 मामले स्वीकृत किए। बैंक ने आय की पहचान, आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण के लिए निर्धारित मानकों का निष्ठा से पालन किया है।

बैंक ने उत्पादकता के मोर्चे पर वर्ष के दौरान प्रति कर्मचारी ₹.1.00 करोड़ की उत्पादकता के महत्वपूर्ण आँकड़े को पार कर लिया।

लाभप्रदता में, जो बैंक के संपूर्ण कार्य - व्यापार के प्रतिबिम्ब का वास्तविक परिणाम होती है, खुशगवार वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष के दौरान परिचालन लाभ में 65.7% की उत्साहजनक वृद्धि (₹.169.34 करोड़ से ₹.280.57 करोड़) हुई जबकि ₹.215.65 करोड़ का शुद्ध लाभ (वर्ष 1998-99 के ₹.142.58 करोड़ से ऊपर) बैंक के इतिहास में सबसे अधिक था। लाभप्रदता में तेजी से वृद्धि का श्रेय कम लागतवाली जमा राशियों पर जोर, ऋण संवितरण में स्वागतयोग्य बढ़ोतरी, समझौता प्रक्रिया के जरिए दुःशोध्य अनर्जक आस्तियों की कारण वसूली, प्रशासनिक तंत्र में की गई चुस्ती, कोष और निवेश संबंधी कार्यों का व्यावसायिक प्रबंधन और परिचालन व्यय में सतर्कता से की गई कमी को जाता है।

महत्वपूर्ण वित्तीय अनुपातों यथा: आस्तियों पर प्रत्यागम (0.89%), कर-पूर्व औसत इकिटी पर प्रत्यागम (34.61%), प्रति शेयर अर्जन (₹.4.57) और प्रति शेयर बही मूल्य (₹.22.21) के संबंध में बैंक का कार्य - निष्पादन प्रगति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की सच्ची

CHAIRMAN'S STATEMENT

A GLORIOUS PAST, A VIBRANT PRESENT AND A PROMISING FUTURE

No sector in Indian industry has perhaps been more buffeted by winds of reform than Banking. The dynamics of change - pace, content and direction - have altered the visage of Indian Banking for ever. Our Bank has emerged out of this 7 years' churning with flying colours thanks to its abiding faith in the much acclaimed dictum on change:

“Change is the law of life and those who look only to the past or present are certain to miss the future.”

Our Bank has often looked upon the past as a stepping stone for the present. And the present as the launching pad for the future. I should say that, for Syndicate Bank, a glorious past truly laid the foundations for the vibrant present. And there is little doubt that the achievements of the present would act as a spring board opening up promising vistas in the new millennium.

It was truly a march to glory for the Bank on various fronts as the curtains came down on 1999-2000. Perhaps the most rewarding period in its 75 year old history, the Platinum Jubilee Year was witness to a memorable and landmark event for the Bank - the splendid success of its initial public offer of Rs.125 crore. Being the first par issue of a public sector bank in the history of the capital market, it attracted over 4,00,000 investors testifying to their faith in the Bank and to the predominantly retail character of the issue. The issue closed on the earliest closing day having been oversubscribed by nearly 4 times.

The Bank's capital adequacy ratio encouragingly shot up from 9.57% to 11.45% during 1999-2000 against the RBI benchmark of 9% for March 2000, confirming the inherent strength and soundness of the Bank.

The business of the Bank surpassed Rs.36,000 crore clocking a growth rate of 21.8% - one of the highest in recent years and comparing favourably with that of the industry. The Bank's global deposits grew by 18.8% (from Rs.19914 crore to Rs.23655 crore) during 1999-2000 and global advances by 27.9% (from Rs.10020 crore to Rs.12812 crore) testifying to the Bank's efforts in accelerating growth.

The performance of the Bank on the NPA front was encouraging. The Bank's Net Non performing assets in percentage terms came down from 3.93% to 3.17% during 1999-2000 - one of the lowest in the public sector banking industry. The Settlement Advisory Committees formalised at the instance of Reserve Bank of India in October 1999 sanctioned as many as 2542 cases for Rs.26.85 crore in just 5 months. The Bank has scrupulously complied with the prescribed norms relating to income recognition, asset classification and provisioning.

On the productivity front, the Bank surpassed the landmark figure of Rs.1 crore per employee during the year.

Profitability - the net result of the Bank's entire spectrum of activity, cheerfully looked up. Operating profit encouragingly rose by 65.7% during the year (from Rs.169.34 crore to Rs.280.57 crore) while Net Profit of Rs.215.65 crore (up from Rs.142.58 crore of 1998-99) was the highest in the Bank's history. The sharp rise in profitability was attributable to stress on low cost deposits, welcome increase in credit disbursements, effective recovery of hard core NPAs through the settlement process, fine tuning of administrative machinery, professional management of treasury and investment operations and a conscious reduction in operating expenditure.

The Bank's performance in respect of important financial ratios like return on assets (0.89%), return on average equity pre-tax (34.61%), earning per share (Rs.4.57) and book value per share (Rs.22.21) speak well of its commitment to progress. Taking the overall profitability into account, the

वकालत करता है। बैंक ने संपूर्ण लाभप्रदता को ध्यान में रखते हुए वर्ष के लिए पहली बार 14% लाभांश की घोषणा की है। शेयरधारकों के धन में अधिकतम वृद्धि करने का लक्ष्य अब से बैंक का स्थायी निगमित सिद्धांत होगा।

जिस बैंक ने साठ के दशक में बैंकिंग तंत्र में कृषि वित्तपोषण का कार्य आरंभ कर दिया हो, जबकि बैंकिंग उद्योग में अन्य लोग ऐसा करना जोखिम-भरा कदम मानते थे, सामाजिक ऋण दान उस बैंक की प्रायः दूसरी प्रकृति ही है। प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र में 31 मार्च 2000 की स्थिति के अनुसार बैंक का अनुपात 47.95% था जो कि 40% के निर्धारित लक्ष्य से बहुत अधिक है।

सूचना प्रौद्योगिकी वह दूसरा क्षेत्र है जिसने वर्ष के दौरान लम्बी छलांग लगाई। संपूर्णतः कंप्यूटीकृत शाखाओं की संख्या 125 से बढ़कर 165 हो गई। बैंक यह सुनिश्चित करने के लिए हर तरह का प्रयास कर रहा है कि सी.वी.सी के दिशा निदेशों के अनुसार 31/12/2000 तक इसके 70% व्यवसाय का कंप्यूटीकरण किया जा सके। बैंक ने नई सहस्राब्दी के दौरान शाखा स्वचलन से बैंक स्वचलन के क्षेत्र में प्रवेश करने और महत्वपूर्ण केन्द्रों में कनेक्टिविटी स्थापित करने की योजना बनाई है। बैंक सूचना प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर अपनी मौजूदा सेवाओं में अनेक मूल्य परिवर्धन करने के लिए भी इच्छुक है। इस क्षेत्र में निवेश चयनात्मक, योजनाबद्ध आधार पर और स्पष्टतः ग्राहक को केन्द्र में रखकर किया जाएगा। वाई 2 के मोर्चे पर सावधानी से तैयार की गई योजना ने नई सहस्राब्दी में पूर्णतः निर्विघ्न पदार्पण सुनिश्चित किया।

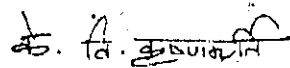
बैंक के कोषीय और निवेश संबंधी परिचालनों का स्वरूप जोरदार रहा। बैंक ने अपना 100% निवेश बाजार के लिए चिह्नित करते हुए कारगर आस्ति देयता और जोखिम प्रबंधन प्रणालियों को सही ढंग से लागू किया। वर्ष के दौरान इसका विदेशी पण्यवर्त लगभग रु.1,00,000 करोड़ के जादुई आँकड़े तक पहुँच गया।

बहुमुखी उपलब्धियाँ हमारे कार्यबल के सामूहिक योगदान और उत्साह की शुद्ध परिणति थीं। उनके स्वाभिमान और अपनत्व की भावना ने एक ऐसी मनपसंद सुगंध फैलाई जिसकी ओजस्विता और ऊर्जा ने बैंक को रोमांचित कर रखा है। बैंक ने उनके योगदान का प्रत्युत्तर पदोन्नति की व्यापक संभावनाओं, विदेशों में प्रशिक्षण के अवसरों और कर्मचारी कल्याण के अनगिनत उपायों के रूप में सहर्ष दिया। कार्मिक मोर्चे पर हमारा व्यावहारिक चिंतन इस प्रकार है: "आप बैंक का जितना अधिक योगदान करेंगे उससे उतना ही ज्यादा प्राप्त करेंगे।" बैंक ने अपने मानव संसाधन विकास तंत्र को उपयुक्ततः चुस्त-दुरुस्त किया है ताकि ज्ञान आधारित 21 वीं सदी का सामना करने के लिए अपने कार्य बल को प्रतिभासंपन्न कर सके। उनके कौशल और उनकी तकनीकी में पैनापन लाने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

ग्राहक बैंक की योजनाओं का केन्द्र बिन्दु बना रहेगा। मौजूदा ग्राहकों के साथ संबंध मजबूत करने और नए ग्राहकों के साथ संबंध जोड़ने की प्रक्रिया बैंक के विकास प्रयासों पर हावी होगी। बैंक और इसके घटकों के बीच आपसी संबंध का महत्व बैंक के वर्ष 2000-2001 के नेगम के प्रतिपादित विषय से उपयुक्ततः प्रतिबिम्बित होता है: **बढ़ता विश्वास : तदनु रूप संवेदनशीलता**। उनसे लगातार प्राप्त होने वाले संरक्षण के बल पर बैंक अपने वर्ष 2000-2001 के रु.42,500 करोड़ के प्रक्षेपित व्यवसाय से आगे बढ़ने के लिए सन्नद्ध है।

जमाराशियों में आसानी से वृद्धि, ऋण में तेज उछाल, अनर्जक आस्तियों का कम होता अनुपात, कोषीय परिचालनों से बढ़ती लाभप्रदता, सूचना प्रौद्योगिकी को प्राप्त महत्वपूर्ण स्थान, आंतरिक नियंत्रण तंत्र में पूरी चुस्ती, प्रतिबद्ध कार्य बल और संवेदनशील एवं दूरदर्शी निदेशक मंडल के फलस्वरूप बैंक दृढ़ विश्वास और निश्चय के साथ नई सहस्राब्दी की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूर्णतः तैयार है।

बैंक की बुनियाद काफी मजबूत है। यह कठोरतम प्रतिस्पर्धाओं में भी अपना रास्ता निकालने का विश्वास रखता है। अतः मैं, अबसे दस वर्ष पश्चात बैंक की उभरनेवाली तस्वीर के बारे में यह गर्वोक्ति करने के लिए अनुप्रेरित हूँ कि वह ग्राहकों के लिए स्वर्गमय, शेयरधारकों के लिए आनंदमय, कर्मचारियों के लिए गौरवमय, प्रतिद्वन्द्वियों के लिए इर्ष्यामूलक और उद्योग के लिए आदर्श प्रतिमान स्थापित करने वाली होगी।


(के. वी. कृष्णमूर्ति)
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक

बंगलूर
मई 14, 2000

Bank declared a maiden dividend of 14% for the year. **Maximising shareholder wealth will henceforth be the Bank's perennial corporate philosophy.**

Social lending is almost second nature to a Bank that introduced agricultural financing to the Banking system in the sixties when it was deemed a risky proposition by the rest of the industry. The priority sector ratio of the Bank as at 31st March 2000 was 47.95% - far ahead of the benchmark ratio of 40%.

Information Technology is another area that witnessed important strides during the year. The number of totally computerised branches rose from 125 to 165. The Bank is making every effort to ensure that 70% of its business is covered through computerisation by 31.12.2000 as per CVC guidelines. The Bank has planned to move from Branch Automation to Bank Automation in the new millennium and to establish connectivity in important centres. It is also keen on making numerous value additions to its existing services on the IT front. The investments in this area will be selective, strategic and sharply customer focussed. Meticulous planning on the Y2K front ensured that the roll over to the new millennium was totally incident free.

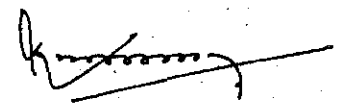
The Bank's Treasury and Investment operations were vibrant in character. Marking 100% of its investments to market, the Bank put in place effective Asset Liability and Risk Management Systems. Its foreign exchange turnover nearly touched the magic mark of Rs.1,00,000 crore during the year.

The multifarious achievements were the net result of the collective involvement and enthusiasm of our workforce. Their sense of pride and belonging has generated a 'feel good' fragrance that makes the Bank bristle with vigour and vitality. The Bank happily responded to their contribution through enlarged promotional avenues, overseas training opportunities and numerous staff welfare measures. **The operating philosophy on the personnel front is : "the more you give to the Bank, the more will come back to you."** The Bank has also appropriately spruced up its Human Resource Management systems to intellectually equip its workforce for coping with the knowledge driven 21st century. Sharpening their skills and techniques is being accorded the highest priority.

Customer will continue to be the centrepiece in the Bank's scheme of things. Strengthening existing customer links and winning new clients will dominate the Bank's growth efforts. The importance of the mutual relationship between the Bank and its constituents is aptly reflected in the Bank's corporate theme for 2000-2001 : **Growing Reliance : Matching Response**. Thanks to their continued patronage, the Bank is well set to surpass its business projection of Rs.42,500 crore for 2000-2001.

With deposits cruising comfortably, credit on the quick uptake, Net NPA ratio on the downhill, treasury operations boosting profitability, information technology enjoying pride of place, internal control machinery well oiled, a committed work force and a responsive and forward looking Board, the Bank is well poised to take on the challenges of the new millennium with considerable confidence and reassurance.

The Bank's fundamentals are quite strong. It is sure to forge ahead even amidst the fiercest of competitions. I therefore feel inspired enough to proudly articulate my vision for the Bank ten years down the road - customers' paradise, shareholders' delight, employees' pride, competitors' envy and industry's role model.


(K. V. KRISHNAMURTHY)
Chairman & Managing Director

Bangalore
May 14, 2000



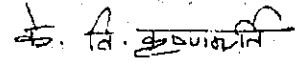
प्रधान कार्यालय: मणिपाल - 576 119
Head Office: Manipal - 576 119

सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि सिंडिकेटबैंक के शेयरधारक सदस्यों की पहली वार्षिक सामान्य बैठक शनिवार, 24 जून, 2000 को प्रातः 10.00 बजे सिंडिकेटबैंक स्वर्ण जयंती सभागृह, मणिपाल - 576 119, में निम्नलिखित कारोबार/कार्य करने के लिए होगी:

“31-3-2000 तक बैंक के तुलन-पत्र और 31 मार्च 2000 को, समाप्त वर्ष से संबंधित लाभ और हानि लेखों के बारे में, लेखों से संबंधित अवधि के दौरान बैंक के कार्यचालन और क्रियाकलापों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट के संबंध में और तुलन-पत्र और लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए”।

स्थान: मणिपाल
दिनांक: मई 19, 2000

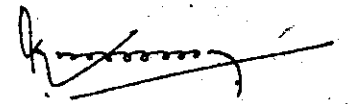

(के. वी. कृष्णमूर्ति)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Report  NOTICE Junction.com

NOTICE is hereby given that the First Annual General Meeting of the shareholder members of SyndicateBank will be held at SyndicateBank Golden Jubilee Auditorium, Manipal - 576 119 on Saturday, the 24th June 2000 at 10.00 a.m. to transact the following business:

“To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31-3-2000, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March, 2000, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors Report on the Balance Sheet and Accounts.”

Place: Manipal
Date: May 19, 2000


(K. V. Krishnamurthy)
Chairman & Managing Director



प्रधान कार्यालय: मणिपाल - 576 119
Head Office: Manipal - 576 119

नोट

NOTES

1. प्रॉक्सी की नियुक्ति

बैठक में भाग लेने एवं मतदान करने के पात्र शेयरधारक सदस्य को अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा मतदान करने के लिए प्रॉक्सी नियुक्त करने का अधिकार है। प्रॉक्सी की सूचना प्रभावी होने हेतु प्रॉक्सी वार्षिक सामान्य बैठक प्रारंभ होने से कम से कम चार दिन पहले अर्थात् सोमवार 19 जून, 2000 को कार्य समय समाप्त होने के समय या उससे पहले प्रॉक्सी फार्म में विनिर्दिष्ट स्थान पर अवश्य प्राप्त हो जानी चाहिए।

2. प्रतिनिधि की नियुक्ति

कोई भी ऐसा व्यक्ति किसी कंपनी अथवा किसी निकाय कारपोरेट, जो कि शेयरधारक है, के विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में बैठक में उपस्थित होने अथवा मतदान करने का तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि वह विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने विषयक संकल्प, जिस बैठक में वह परित किया था उसके अध्यक्ष द्वारा सत्यापित प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित हो, की प्रति सिंडिकेट बैंक, प्रधान कार्यालय, मणिपाल में, महा प्रबंधक, शेयर विभाग, को वार्षिक बैठक की तारीख से चार दिन पहले अर्थात् सोमवार, 19 जून, 2000 को कार्य समय समाप्त होने के समय या उससे पहले जमा नहीं करता/करती है।

3. उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पत्र

शेयरधारक सदस्यों की सुविधा के लिए उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पत्र इस नोटिस के साथ संलग्न है। शेयरधारक सदस्यों/प्रॉक्सीधारकों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उसमें निर्धारित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें और उसे बैठक स्थल पर सौंप दें। शेयरधारक के प्रॉक्सी/प्रतिनिधि को उपस्थिति पर्ची पर प्रॉक्सी अथवा "प्रतिनिधि" जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख करना चाहिए।

4. शेयर हस्तांतरण अभिकर्ताओं से पत्राचार

शेयरधारकों से अनुरोध है कि उनके पंजीकृत पते में परिवर्तन, यदि कोई हो, तो बैंक के रजिस्ट्रार और शेयर हस्तांतरण एजेंट को निम्नलिखित पते पर सूचित करें:

मेसर्स कार्वी कन्सल्टेंट लिमिटेड

यूनिट: सिंडिकेट बैंक

"कार्वी हाउस"

46, अवेन्यू 4, स्ट्रीट नं. 1

बंजारा हिल्स, हैदराबाद - 500 034

5. सदस्य रजिस्टर को बंद करना

वार्षिक सामान्य बैठक में भाग लेने के लिए पात्र शेयर धारकों के निर्धारण के उद्देश्य से बैंक का सदस्य रजिस्टर और शेयर अंतरण बहियां गुरुवार 22-6-2000 से शनिवार 24-6-2000 (दोनों दिनों सहित) बंद रहेगी।

6. लाभांश हेतु बैंक अधिवेश या इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ई सी एस)

क) वारंटों की कपटपूर्ण भुनाई से निवेशकर्ताओं को बचाने की दृष्टि से सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपनी बैंक खाता संख्या (चालू बचत), बैंक का नाम और

1. APPOINTMENT OF PROXY

A SHAREHOLDER MEMBER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF/HERSELF. The proxy, in order to be effective, must be received by the Bank at the place specified in the proxy form, not later than FOUR DAYS before the date of the Annual General Meeting i.e. on or before the closing hours of Monday, 19th June, 2000.

2. APPOINTMENT OF A REPRESENTATIVE

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorised representative of a Company or any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him/her as a duly authorised representative, certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank at Manipal, with the General Manager, Shares Department, not later than FOUR DAYS before the date of the Annual General Meeting i.e. on or before the closing hours of Monday, 19th June, 2000.

3. ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS

For the convenience of the Shareholder members, Attendance Slip-Cum-Entry Pass is annexed to this notice. Shareholder members/Proxy holders/Representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the same at the venue. Proxy/Representative of a shareholder should state on the attendance slip-cum-entry pass as 'Proxy' or 'Representative' as the case may be.

4. COMMUNICATION WITH THE SHARE TRANSFER AGENTS

Shareholders are requested to intimate changes, if any, in their registered addresses, to the Registrars and Share Transfer Agents of the Bank at the following address :

M/s Karvy Consultants Limited,

Unit: SyndicateBank

"Karvy House"

46, Avenue 4, Street No. 1,

Banjara Hills, Hyderabad - 500 034

5. CLOSURE OF REGISTER OF MEMBERS

The Register of Members and the Share Transfer Books of the Bank will remain closed from Thursday, 22-06-2000 till Saturday 24-06-2000 (both days inclusive) for the purpose of determining the shareholder members eligible to attend the Annual General Meeting.

6. BANK MANDATE FOR DIVIDEND OR ELECTRONIC CLEARING SERVICE (ECS)

a) In order to protect the investors from fraudulent encashment of warrants, the members are requested to

उस शाखा का नाम प्रस्तुत करें जहाँ वे लाभांश वारंटों को भुनाई हेतु जमा करना चाहते हैं। लाभांश वारंट के चेक हिस्से में शेयरधारक के नाम के साथ ये विवरण मुद्रित किए जाएंगे ताकि इन वारंटों को शेयर धारक के अलावा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नहीं भुनाया जा सकेगा। उपर्युक्त विवरण प्रथम/ एकमात्र धारक द्वारा फोलियो संख्या, धारित शेयरों की संख्या, धारिता संबंधी ब्योरे आदि बताते हुए सीधे हैदराबाद के शेयर अंतरण एजेंट को प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

ख) बैंक, निर्दिष्ट शहरों में रहनेवाले शेयरधारकों को ई.सी.एस. की सुविधा भी प्रदान कर रहा है। इस ई.सी.एस सुविधा के बारे में विस्तृत सूचना पत्र संलग्न है। लाभांशों को जमा करवाने के लिए शेयरधारक बैंक अधिदेश प्रणाली के बदले में इस सुविधा का भी उपयोग कर सकते हैं।

7. फोलियों का समेकन

एक ही नाम पर तथा उसी क्रम में विभिन्न फोलियों में शेयर धारण करने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे ऐसी शेयर पूंजी के ब्योरे शेयर हस्तांतरण अभिकर्ताओं को प्रस्तुत करें ताकि वे इन शेयर पूंजियों को एक ही पूंजी के अंतर्गत समेकित कर सकें। इससे बैंक शेयरधारकों को और अधिक प्रभावी सेवा दे पायेगा।

8. तुलन पत्र की प्रतियां

शेयर धारक सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां वार्षिक सामान्य बैठक के स्थान पर वितरित नहीं की जाएगी अतएव सदस्यों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रतियां साथ ले आए जो उनके पंजीकृत पते पर बैंक द्वारा उनको डाक से भेजी गयी है।

9. अन्य सूचना

शेयर धारक कृपया ध्यान दें कि बैठक में कोई उपहार/ कूपन वितरित नहीं किया जाएगा।

10. निवेशक संपर्क विभाग

शेयर धारकों को शीघ्र और दक्षता पूर्ण सेवा उपलब्ध कराने के लिए सिंडिकेट बैंक ने अपने नैगम कार्यालय बंगलूर में एक निवेशक संपर्क विभाग खोला है। शेयर धारक और निवेशक किसी भी सहायता के लिए इस केन्द्र से निम्नलिखित पते पर संपर्क कर सकते हैं:

महाप्रबंधक

निवेशक संपर्क केन्द्र

सिंडिकेट बैंक

नैगम कार्यालय

गांधीनगर

बंगलूर - 560 009

दूरभाष - 2283030,

फैक्स : 2266495

furnish their Bank Account Number (Current/Savings), the name of the Bank, and branch where they would like to deposit the dividend warrants for encashment. These particulars will be printed on the cheque portion of the Dividend Warrant besides the name of the shareholder, so that these warrants cannot be encashed by anyone other than the shareholder. The above mentioned details should be furnished by the first/sole holder, directly to the Share Transfer Agents at Hyderabad, quoting the folio number, number of shares held, details of the holdings etc.

b) The Bank is also offering the facility of ECS for shareholders residing in specified cities. A detailed information letter about this ECS facility is annexed. This facility could also be used by the shareholders instead of Bank Mandate System for receiving the credit of dividends.

7. CONSOLIDATION OF FOLIOS

Shareholders holding shares in various folios with identical names and in same order are requested to furnish details of such holding to the Share Transfer Agents, to enable them to consolidate these holdings into a single holding. This will facilitate the Bank to service the Shareholders more effectively.

8. COPIES OF BALANCE SHEET

Shareholder Members are advised that copies of the Annual Report will not be distributed at the venue of the Annual General Meeting and hence the Members are requested to bring their copies of the Annual Report which are mailed by the Bank to them at the registered addresses.

9. OTHER INFORMATION

Shareholders may kindly note that no gift/coupon will be distributed at the meeting.

10. INVESTORS' RELATIONS DEPARTMENT

In order to facilitate quick and efficient service to the shareholders, Syndicate Bank has set up an Investors' Relation Centre at its Corporate Office at Bangalore. Shareholders and investors may contact this Centre at the under mentioned address for any assistance.

The General Manager

Investors' Relation Centre

Syndicate Bank, Corporate Office

Gandhinagar, Bangalore - 560 009

Tel: 2283030

Fax: 2266495

स्थान: मणिपाल

दिनांक: मई 19, 2000

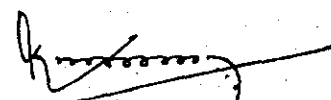
के. वि. कृष्णमूर्ति

(के. वी. कृष्णमूर्ति)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Place: Manipal

Date: May 19, 2000



(K. V. Krishnamurthy)

Chairman and Managing Director

निदेशकों का प्रतिवेदन

निदेशक मंडल, वर्ष 1999-2000 - बैंक के प्लैटिनम जयंती वर्ष के लिए बैंक के कार्यचालन पर वार्षिक प्रतिवेदन सहर्ष प्रस्तुत करता है। मार्च 31, 2000 तक के, लेखा परीक्षित तुलन पत्र और लाभ व हानि लेखा बैंक के शानदार इतिहास में असाधारण सफलता और भारी प्रगति दर्शाते हैं।

आर्थिक परिदृश्य - उत्साहवर्धक बढ़त:

वर्ष के दौरान भारत की अर्थ व्यवस्था ने सकारात्मक संकेत दिए। समग्र आर्थिक प्रगति लगभग 6% के आस-पास रही जो औद्योगिक वसूली के कारण हुई। 17 वर्षों की अवधि में पहली बार, मुद्रास्फीति, वर्ष के अधिकतर अवधि के दौरान 4 प्रतिशत से नीचे नियंत्रित रखी गयी थी। निर्यात में, पिछले वर्ष की ऋणात्मक अवस्था से उछलकर यू.एस. डालर दरों में 13% से अधिक वृद्धि हुई। औद्योगिक उत्पाद की सरकारी सूचकांक में, वर्ष 1998-99 में केवल 3.7% की तुलना में इस वर्ष 6.2% की उत्साहवर्धक वृद्धि दर्ज की गई। स्थिर रूपया मूल्य, स्टॉक मार्केट की तेजी, संरचनात्मक क्षेत्र में प्रगति और विदेशी मुद्रा प्रारक्षिति निधि की अच्छी स्थिति से अर्थव्यवस्था में काफी प्रगति हासिल करने में मदद मिली जिससे बैंकिंग क्षेत्र में भी पर्याप्त प्रभाव पड़ा।

बैंकिंग प्रवृत्तियां - सुधारात्मक प्रवृत्तियों में तेजी :

वर्ष के दौरान भारतीय बैंकिंग ने अगले सुधार लागू करना जारी रखा। भा.रि.बैंक द्वारा, बैंक दर और न.नि.अ. में की गई कटौती के परिणामस्वरूप बैंकों की मूल उधार दर में कमी हुई। उक्त प्रणाली नकदी प्रतिबंध से मुक्त रही जिससे वित्तीय बाजार में क्रमिक सुधार हुआ आस्ति-देयता प्रबंधन के प्रयासों को अधिक बल मिला जबकि बैंकों ने विश्वास योग्य जोखिम प्रबंधन प्रणाली अपनायी, सूचना प्रौद्योगिकी ने बैंकों की योजनाओं में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया और इसका ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए उपयोग किया जा रहा है।

वर्ष 1999-2000 के दौरान, एम-3 की वार्षिक वृद्धि, बिन्दुवार आधार पर, वर्ष 1998-99 में 19.2% की तुलना में 13.6% (अंतिम) रही। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमा राशियों में पिछले वर्ष की 19.3% की तुलना में इस वर्ष 13.5% (रु. 7,14,025 करोड़ से रु. 8,10,065 करोड़ तक) की वृद्धि हुई। बैंक उधार में, पिछले वर्ष की 14.6% की तुलना में इस वर्ष 17.7% (रु. 3,68,837 करोड़ से रु. 4,34,182 करोड़ तक) की वृद्धि हुई।

पूंजी पर्याप्तता - सुदृढ़ स्तर पर :

आज किसी भी बैंक की सुरक्षा और सुदृढ़ता उसकी पूंजी पर्याप्तता पर निर्भर है। दि. 31 मार्च 1999 तक की स्थिति के अनुसार 9.57% से दि. 31 मार्च, 2000 तक इसमें 11.45% की वृद्धि हुई - इससे यह पता चलता है कि बैंक स्थिर और मजबूत है। मार्च 2000 के लिए भा.रि.बैंक द्वारा निर्धारित 9% की सीमा का पार करते हुए उसने पूंजी के मामले में अपना स्थान सुदृढ़ बनाया है।

बैंक के प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव - स्मरणीय घटना

बैंक की प्लैटिनम जयंती समारोह वर्ष को बेहतर ढंग से मनाने का संभवतः दूसरा तरीका और क्या हो सकता था, जब रु. 125 करोड़ के प्रा.सा.प्र. लगभग 3.68 गुना अति प्रतिस्त्रुत रहा और पूर्वतम समाप्ति दिवस को ही बन्द हो गया। किसी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक का सममूल्य पर प्रथम सार्वजनिक निर्गम होने का कारण इसने 4,00,000 से अधिक निवेशकों को आकर्षित किया, जो बैंक पर उनके विश्वास और भरोसे को प्रमाणित करता है। प्रा.सा.प्र. की सफलता ने वस्तुतः बैंक की इस छवि की पुनः पुष्टि की है कि यह "आम जनता का बैंक" है।

प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के फलस्वरूप केन्द्रीय सरकार से भिन्न शेयर धारक अब बैंक की मैजुदा प्रदत्त शेयर पूंजी का 26.48% अंश धारण करते हैं और केन्द्र सरकार की शेयर धारिता कम होकर 73.52% पर आ गई है। 31-3-2000 की स्थिति के अनुसार बैंक के शेयर धारकों की संख्या 4,04,660 है।

एक एहसानमंद बैंक के रूप में उसने अपने निवेशकों को 14% के अंतरिम लाभांश प्रदान किया - जो हाल ही में बैंक के स्टॉक मूल्य में गिरावट को देखते हुए एक उल्लेखनीय बात है। यह सममूल्य निर्गम होने के कारण शेयरधारकों को मिलनेवाला प्रतिलाभ अन्य बैंकों के शेयरधारकों की तुलना में काफी अधिक है जिन्होंने प्रारंभिक पेशकश के समय उन्हें अधिक प्रीमियम अदा किया है।

DIRECTORS' REPORT

The Board of Directors has immense pleasure in presenting the Annual Report on the working of the Bank for 1999-2000, the Bank's Platinum Jubilee Year. The audited Balance Sheet and Profit and Loss Account as at March 31, 2000 unfold a remarkable achievement and a giant leap forward in the illustrious history of the Bank.

ECONOMIC SCENARIO - ENCOURAGING BUOYANCY:

The Indian economy showed positive signals during the year. The overall economic growth hovered around 6% aided by industrial recovery. For the first time in 17 years, inflation was contained at below 4 percent for major part of the year. Exports bounced back from the negative phase of last year to record a growth of over 13% in US dollar terms. Official index of industrial production encouragingly rose by 6.2% compared to 3.7% in 1998-99. A stable rupee, booming stock market, perked up infrastructure sector and comfortable foreign exchange reserves imparted a welcome vibrancy to the economy which inevitably spilled over to the banking sector.

BANKING TRENDS - ONRUSH OF REFORM WINDS:

Indian Banking continued to implement further reforms during the year. The progressive reduction of Bank Rate and CRR triggered a fall in prime lending rates. The system was relatively free of liquidity constraints enabling orderly development of financial markets. Asset Liability management efforts gained increasing focus while banks put in place credible risk management systems. Information technology gained pride of place in the Banks' scheme of things and is being effectively leveraged to enhance the quality of customer service.

During 1999-2000, the annual growth in M3, on a point to point basis, was 13.6% (provisional) as against 19.2% in 1998-99. The aggregate deposits of the scheduled commercial banks increased by 13.5% (from Rs.7,14,025 crore to Rs.8,10,065 crore) as against 19.3% in the previous year. Bank credit rose by 17.7% (from Rs.3,68,837 crore to Rs.4,34,182 crore) as against 14.6% in the previous year.

CAPITAL ADEQUACY - ON A STRONG WICKET:

Nothing in today's banking parlance can qualify a Bank as safe and sound than its capital adequacy. From a healthy 9.57% as at 31st March 1999, it zoomed to a staggering 11.45% as at 31st March 2000 - a clear testimony that the Bank is on firm, unshakeable ground. Surpassing the RBI benchmark of 9% for March 2000 by a good margin, it enjoys a comfortable cushion on the capital front.

BANK'S IPO - A MEMORABLE FORAY:

The Bank's Platinum Jubilee Year could perhaps not have been commemorated better - with an IPO of Rs.125 crore oversubscribed 3.68 times and closing on the earliest closing day. Being the first public issue at par from a public sector bank, it attracted over 4,00,000 investors testifying to their faith and confidence in the Bank. The success of IPO truly reconfirmed the "common man's bank" character of the Bank.

Consequent upon IPO, shareholders other than the Central Government now hold 26.48% of the existing paid up share capital of the Bank and shareholding of the Central Government has been reduced to 73.52%. There were 4,04,660 shareholders of the Bank as on 31-03-2000.

A grateful Bank rewarded the investors with a handsome maiden dividend of 14% - remarkable considering the decline in the value of bank stocks on the bourses in recent times. Return to the shareholders is quite high compared to shareholders of other banks.

बैंक के शेयर निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध किए गए हैं और 31.3.2000 को देय वार्षिक सूचीकरण शुल्क सभी स्टॉक एक्सचेंजों को अदा कर दिया गया है:

1. मंगलूर स्टॉक एक्सचेंज
चौथा तल, राम भवन कंप्लेक्स
कोडीयाल बैल, मंगलूर - 575 003
2. बेंगलूर स्टॉक एक्सचेंज
नं.51 स्टॉक एक्सचेंज टॉवर्स
1 क्रॉस, जे सी रोड, बेंगलूर - 560 027
3. दि स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई
फिरोज जी जी भाई टॉवर्स
दलाल स्ट्रीट, मुंबई - 400 001
4. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लिमिटेड
ट्रेड वर्ल्ड, सेनापति बापट मार्ग
लोवर पारेल, मुंबई - 400 013

शाखा तंत्र - अधिक सेवाएं - अधिक शाखाएं :

समेकन, आज की बैंकिंग की दैनिक व्यवस्था है। फिर भी, ऐसी परिस्थितियां भी आती हैं जब विस्तारण की आवश्यकता अनिवार्य हो जाती है। वर्ष के दौरान 33 शाखाएं खोली गईं (जिनमें 11 ग्रेड बढ़ाई गई उपशाखाएं और 4 विशिष्ट शाखाएं शामिल हैं) जिससे दिनांक 31-3-2000 तक की स्थिति के अनुसार, लंदन स्थित एक विदेशी शाखा सहित कुल शाखाओं की सं. 1702 हो गई। वर्ष में 26 उप शाखाएं खोली गईं जिससे उपशाखाओं की कुल संख्या 190 हो गयी। बैंक के विशिष्ट ग्रामीण अभिमुखता जो दिनांक 31-3-2000 तक की स्थिति के अनुसार शाखा तंत्र के साथ जुड़ी हुई है, को ग्रामीण (649) अर्धशहरी (399) शहरी (311) महानगरी (342) के रूप में वर्गीकृत किया गया।

निम्नलिखित विभागों से युक्त बेंगलूर में स्थित बैंक के नैगम कार्यालय के लिए भारतीय रिजर्व बैंक बेंगलूर से उनके पत्र डी.बी.ओ.डी (बी.जी) सं. 1008/02.02.03/ 99-2000 दिनांक 15 मार्च 2000 के जरिए अनुमोदन प्राप्त हुआ।

- i) ऋण विभाग
- ii) कंप्यूटर नीति और आयोजना विभाग
- iii) वसूली विभाग
- iv) निवेशक संबंध केंद्र
- v) क्रेडिट कार्ड कक्ष

जमा राशि में वृद्धि - सुखद मार्ग पर :

बैंक सार्वभौमिक जमा राशि रु.23655 करोड़ तक पहुँच गई जिससे जमा राशियों में रु.3741 करोड़ की वृद्धि 18.79% की दर पर हुई। बैंक की घरेलू जमा राशियों में रु.2983 (15.92%) करोड़ की वृद्धि हुई और यह रु.21724 करोड़ तक पहुँच गयी। संसाधनों की वृद्धि बैंकिंग उद्योग के अनुरूप रही।

वर्ष के शुरू से अंत तक अल्प लागतवाली जमा राशियों पर जोर दिया गया। इस संबंध में लाभ प्रदता को बढ़ाने हेतु कर्मचारियों के लिए अभियान चलाये गये। वर्ष के दौरान तीन नई योजनाएं प्रारंभ की गयीं अर्थात् वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा जमा, संचयी शिक्षा जमा और किसान प्रगति जमा योजना, जो विभिन्न प्रकार के जनसमूह की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाई गयी।

उधार विस्तारण - व्यापक क्षेत्र का संरक्षण :

वर्ष 1999-2000 के दौरान बैंक के सार्वभौमिक बकाया उधार रु.10020 करोड़ से रु.12812 करोड़ हो गया जो 27.86% वृद्धि दर दर्शाता है- जो बैंकिंग उद्योग द्वारा हासिल दर से काफी अधिक है। ऋण जमा अनुपात में पिछले वर्ष के 50.32% की तुलना में 54.16% (सकल) वृद्धि हुई। आक्रामक विपणन ने विशेषतः खुदरा और उपभोक्ता बैंकिंग क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उधार संवितरण में विभिन्न खंड शामिल किए गए जिनमें यह सुनिश्चित किया गया कि अभिनियोजन के लिए उपलब्ध निधि अधिक संख्या के साध्य ग्राहक गण तक पहुँच गयी है। वर्ष के दौरान बैंक ने विशेष रूप से नैगम क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु दिल्ली और हैदराबाद में (चेन्नई में पहले ही कार्यरत एक शाखा के अतिरिक्त) दो और नैगम वित्त शाखाएं खोलीं।

The shares of the Bank are listed at the following Stock Exchanges and the annual listing fee due on 31.03.2000 has been paid to all the Stock Exchanges:

1. **Mangalore Stock Exchange**
4th Floor, Rama Bhavan Complex
Kodialbail: MANGALORE 575 003.
2. **Bangalore Stock Exchange**
No.51, Stock Exchange Towers
1st Cross, J C Road
BANGALORE 560 027
3. **The Stock Exchange, Mumbai**
Phiroze Jeejeebhoy Towers
Dalal Street, MUMBAI 400 001
4. **National Stock Exchange of India Ltd.**
Trade World, Senapati Bapat Marg
Lower Parel, MUMBAI 400 013.

BRANCH NETWORK - BRANCHING OUT FOR WIDER REACH:

Consolidation is the order of the day in banking today. However, occasions do arise when the need to expand holds sway. 33 branches were opened during the year (including 11 upgraded ECs and 4 specialised branches) taking the total to 1702 as at 31-3-2000 including one overseas branch at London. 26 extension counters too came into existence taking the total to 190. The Bank's typically rural orientation continued with the branch network as at 31-3-2000 being classified as : Rural (649), Semi-Urban (399), Urban (311) and Metropolitan (342).

The Bank's Corporate Office at Bangalore covering the following departments received approval of RBI, Bangalore vide letter DBOD(BG) No.1008/02.02.03/ 99-2000 dated 15th March 2000 :

- i) Credit Department
- ii) Computer Policy and Planning Department
- iii) Recovery Department
- iv) Investor's Relation Centre
- v) Credit Card Cell

DEPOSIT GROWTH - IN A COMFORTABLE SLOT:

Global deposits of the Bank looked up comfortably to reach Rs.23655 crore recording an increase of Rs.3741 crore at a rate of 18.79%. Domestic deposits rose by Rs.2983 crore (15.92%) and touched Rs.21724 crore. The resources growth compared favourably with that of the banking industry.

The corporate thrust throughout the year was on low cost deposits. Campaigns were conducted on this front for employees to boost profitability. Three new schemes were introduced during the year, viz., Senior Citizens' Security Deposit, Cumulative Education Deposit and Kisan Pragathi Deposit to suit the needs of different segments of the population.

CREDIT EXPANSION - COVERING A WIDE SPECTRUM:

The Bank's global outstanding credit rose encouragingly from Rs.10020 crore to Rs.12812 crore during 1999-2000, a growth rate of 27.86%, much higher than that of the industry. The Credit Deposit ratio surged to a healthy 54.16% (gross) compared to 50.32% of last year. Aggressive marketing especially in the area of retail and consumer banking contributed to the welcome jump. The credit disbursal covered different segments ensuring that available funds for deployment reached the largest number of clientele possible. The Bank opened 2 more Corporate Finance Branches during the year at Delhi and Hyderabad (besides the one already functioning at Chennai) to specially cater to the needs of the Corporate Sector.

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र -सचमुच सर्वप्राथम्य :

ग्रामीण वातावरण में फैले हुए अपनी जड़ों के साथ और दशकों से सामाजिक वित्तपोषण करने की अभिरुचि से बैंक मार्च 2000 तक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को उधार के लिए निर्धारित 40% लक्ष्य से आगे बढ़ना जारी रखा और 47.95% तक पहुँच गया। प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अधीन उसकी बकाया राशि रु.3529 करोड़ से लेकर वर्ष 1999-2000 के दौरान रु. 4198 करोड़ तक पहुँच गयी। वर्ष के दौरान कृषि उधार रु.1517 करोड़ तक पहुँच गया जिसमें रु.305 करोड़ की निवल वृद्धि हुई और यह निवल उधार का 17.32% बनता है।

कमजोर वर्गों को दिए गए अग्रिम रु.895 करोड़ था जो शुद्ध ऋण का 10.22% बनता है और इस तरह 10% की निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है।

हमेशा की तरह, अ.जा/अ.ज.जा अल्प संख्यक समुदाय, महिलाएं, शारीरिक रूप से विकलांग और अन्य पारंपरिक क्षेत्रों की उधार आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया गया था। वर्ष के दौरान अ.जा/अ.ज.जा को बैंक द्वारा दिया गया अग्रिम, रु.217.90 करोड़ से रु.223.50 करोड़ हो गया। वर्ष के दौरान शुरू की गयी नई योजनाएँ निम्नवत् हैं :

सिंडिकेट फार्म हाउस योजना

कृषकों के लिए गिरवी ऋण योजना

किसानों के लिए तीन पहिएवाले/पुराने चार पहिएवाले वाहन खरीदने की योजना
सोलार वाटर हीटिंग सिस्टम के लिए वित्तीयन योजना

कृषि उधार के लिए विशेष योजना - आसानी से लक्ष्य को पार किया :

बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शी सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए वर्ष 1999-2000 के दौरान कृषि क्षेत्र को रु.700 करोड़ का उधार संवितरण करने की योजना बनाई। विशेष कृषि उधार योजना के अधीन किया गया वास्तविक संवितरण रु.784 करोड़ था। इस प्रकार निर्धारित लक्ष्य 84 करोड़ से पार कर लिया गया

आर.वी.गुप्ता-समिति की सिफारिशें - बेहतर कार्य के लिए कार्य निरूपण :

कृषि को उधार उपलब्ध कराने के संबंध में गठित उच्च स्तरीय समिति की विभिन्न सिफारिशों का व्यापक कार्यान्वयन करने के लिए बैंक ने कदम उठाये हैं। शाखा प्रबंधकों को मंजूरी अधिकार दिए गए हैं ताकि वे कृषि उधार के 90% प्रस्ताव अपने स्तर पर निपटान कर सकें। ऋण आवेदन पत्र और करारनामा फार्मों को संशोधित किया गया/सरल बनाया गया। उधार प्रस्तावों का मूल्यांकन करते समय कृषि उधारकर्ताओं के आय की उपलब्धता के लिए कारगर दृष्टिकोण अपनाने हेतु शाखाओं को सलाह दी गयी। वर्ष के दौरान एक लचीली बचत योजना, अर्थात् किसान प्रगति जमा योजना शुरू की गयी जिसे नैसर्गिक विपदाओं से उत्पन्न होनेवाली प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने और कीमत फेर फार होने से बचने के लिए किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर बनाई गयी।

सिंडिकेट किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अधीन, बैंक ने रु.273.82 करोड़ के लिए 1,19,336 कार्ड जारी किए हैं। बैंकिंग क्षेत्र में इस निष्पादन को सराहा गया।

कृषि विस्तारण शिक्षण कार्यक्रम - अध्ययन का कोई अंत नहीं

वर्ष के दौरान 527 कृषि विस्तारण शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनसे 75,636 किसान लाभान्वित हुए। इन कार्यक्रमों में, विशेषज्ञ के व्याख्यान, संगोष्ठी, पशु स्वास्थ्य कैंप, प्रदर्शनी, निदर्शन, क्षेत्रों का दौरा आदि शामिल थे। जिसका उद्देश्य नवोन्मेषी और विकसित कृषि/ग्रामीण प्रौद्योगिकी और ग्रामीण उद्यमिता की जानकारी देना और उनके बढ़ावा देना था, ताकि ग्रामीण विकास के हित को और विकसित किया जा सकें।

अग्रणी बैंक योजना - क्षेत्र विकास पर बल

बैंक को, 23 जिलों और लक्षद्वीप संघ शासित क्षेत्र में अग्रणी बैंक की जिम्मेदारी सभालने का दायित्व दिया गया है। अग्रणी बैंक भूमिका सभी जिलों में प्रभावी ढंग से निभायी गयी, जिसमें बैंकिंग क्षेत्र से वांछित क्षेत्र और नामित समूहों को उधार उपलब्ध करना सुनिश्चित किया गया। अग्रणी जिलों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए सरकारी एजेंसियों

PRIORITY SECTOR - TRULY A PRIORITY :

With its roots in a rural milieu and a penchant for social lending honed over decades, the Bank continued to exceed the target of 40% for lending to the priority sector by reaching 47.95% as at March 2000. Priority sector outstandings rose from Rs.3529 crore to Rs.4198 crore during 1999-2000. Agricultural credit touched Rs.1517 crore registering a net increase of Rs.305 crore during the year and accounted for 17.32% of net credit.

Advances to weaker sections amounted to Rs.895 crore and constituted 10.22% of net credit surpassing the prescribed minimum benchmark of 10%.

Special care, as always, was taken to meet the credit needs of SCs/STs, Minorities, women, physically handicapped and other traditional sectors. SC/ST advances of the Bank rose from Rs.217.90 crore to Rs.223.50 crore during 1999-2000.

New schemes introduced during the year were:

Syndicate Farm House Scheme

Pledge Loan to farmers

Schemes for purchase of 3 wheelers/second hand 4 wheelers by farmers.

Schemes for financing Solar Water Heating System.

SPECIAL PLAN FOR AGRICULTURAL CREDIT - TARGET COMFORTABLY SURPASSED:

The Bank prepared a plan for credit disbursement of Rs.700 crore to agricultural sector during 1999-2000 pursuant to the RBI guidelines and the actual disbursement under SPAC during the year was Rs. 784 crore surpassing the planned target by Rs.84 crore.

R.V. GUPTA COMMITTEE'S RECOMMENDATIONS - MAKING THINGS WORK BETTER:

The Bank had taken steps to comprehensively implement various recommendations of the High Level Committee on flow of credit to agriculture. Branch managers were vested with sanctioning powers to ensure that atleast 90% of proposals for agricultural credit were disposed of at their level. Loan applications and agreement forms have been revised/rationalised. Branches were advised to adopt holistic approach of income stream of the agriculturist borrowers while appraising credit proposals. A flexible savings scheme, called Kisan Pragathi Deposit Scheme, tailored to suit the needs of farmers for enabling them to tide over adverse situations arising out of natural calamities and price fluctuations, was introduced during the year.

Under Syndicate Kisan Credit Card Scheme, the Bank issued 1,19,336 cards for Rs.273.82 crore, a performance well acknowledged in the banking circles.

AGRICULTURAL EXTENSION EDUCATION PROGRAMMES - LEARNING NEVER STOPS:

During the year, 527 Agricultural Extension Education Programmes were conducted, benefiting 75,636 farmers. The programmes included lectures by experts, seminars, animal health camps, exhibitions, demonstrations, field visits etc., aimed at disseminating and promoting innovative and improved agricultural/rural technology and rural entrepreneurship for furthering the cause of rural development.

LEAD BANK SCHEME - EMPHASIS ON AREA DEVELOPMENT:

The Bank is entrusted with "Lead Bank" responsibility in 23 districts and in the Union Territory of Lakshadweep. The Lead Bank role was effectively